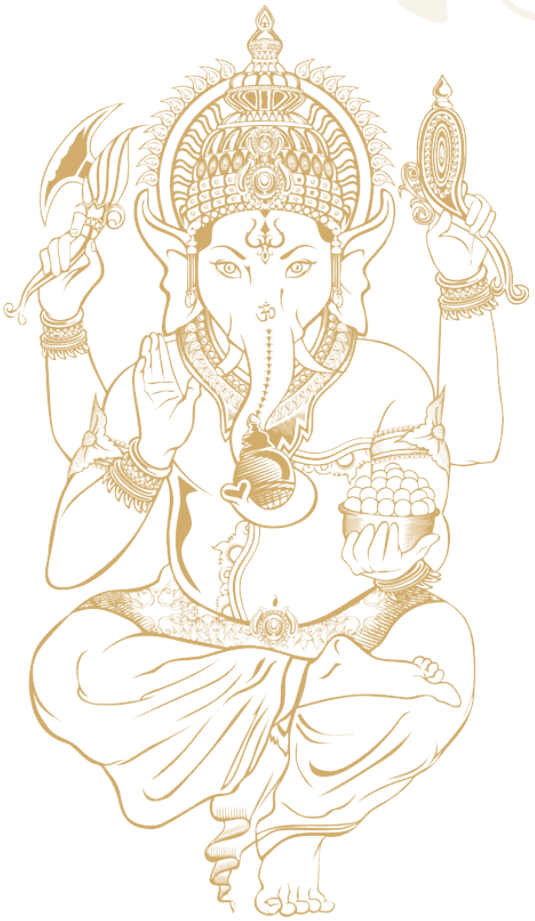

F

19 Jul 2006

05:15 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 120907804

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18-19/07/2006**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**05:15:00 घंटे**
इष्ट	59:09:44 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:44:28 घंटे
वेलान्तर	-00:06:12 घंटे
साम्पातिक काल	00:31:02 घंटे
सूर्योदय	05:35:06 घंटे
सूर्यास्त	19:37:56 घंटे
दिनमान	14:02:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	02:15:01 कर्क
लग्न के अंश	26:59:40 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शूल
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूसी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	26:59:40	305:11:28	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	02:15:01	00:57:16	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	17:31:41	13:40:05	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
मंगल			सिंह	03:41:34	00:37:13	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	कर्क	01:07:43	00:39:35	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
गुरु			तुला	15:16:10	00:02:15	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	05:54:14	01:12:16	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
शनि			कर्क	18:25:01	00:07:30	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	03:30:16	00:01:57	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
केतु	व		कन्या	03:30:16	00:01:57	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	20:26:20	00:01:20	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप	व		मक	25:04:44	00:01:28	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	00:41:03	00:01:17	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			मीन	14:29:48	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:56

लग्न-चलित

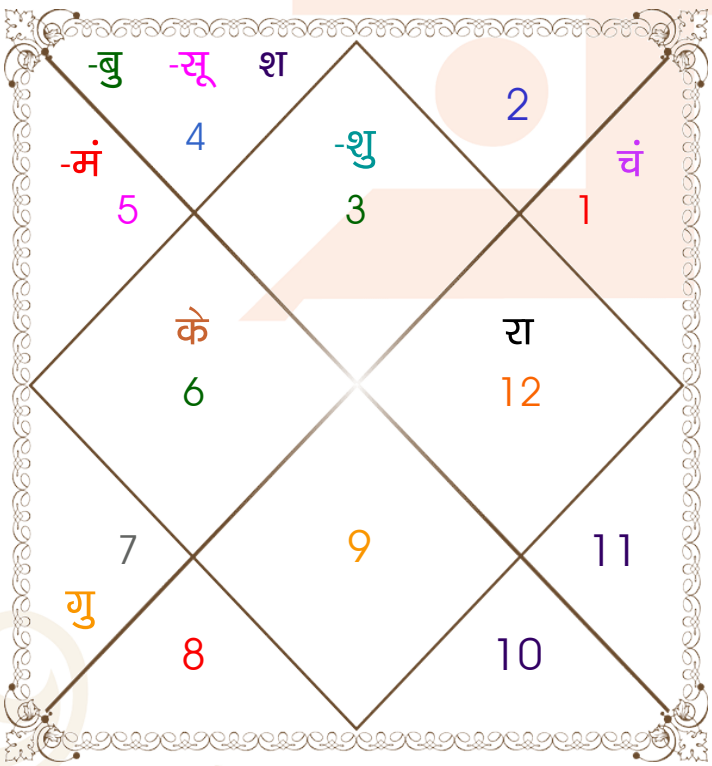

चन्द्र कुंडली

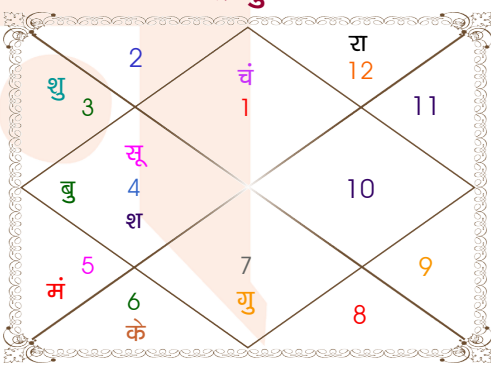

नवमांश कुंडली

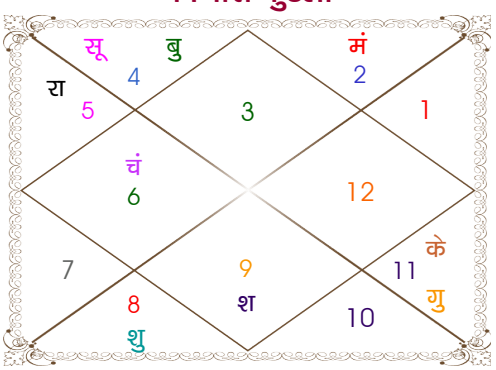

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 13 वर्ष 8 मास 15 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
19/07/2006		02/04/2020		03/04/2026		02/04/2036		03/04/2043	
02/04/2020		03/04/2026		02/04/2036		03/04/2043		03/04/2061	
00/00/0000	सूर्य	21/07/2020	चंद्र	01/02/2027	मंगल	30/08/2036	राहु	14/12/2045
00/00/0000	चंद्र	20/01/2021	मंगल	02/09/2027	राहु	17/09/2037	गुरु	09/05/2048
19/07/2006	मंगल	28/05/2021	राहु	03/03/2029	गुरु	24/08/2038	शनि	16/03/2051
मंगल 03/06/2007	राहु	21/04/2022	गुरु	03/07/2030	शनि	03/10/2039	बुध	02/10/2053
राहु 03/06/2010	गुरु	07/02/2023	शनि	02/02/2032	बुध	29/09/2040	केतु	21/10/2054
गुरु 01/02/2013	शनि	20/01/2024	बुध	03/07/2033	केतु	25/02/2041	शुक्र	21/10/2057
शनि 02/04/2016	बुध	26/11/2024	केतु	01/02/2034	शुक्र	27/04/2042	सूर्य	14/09/2058
बुध 01/02/2019	केतु	03/04/2025	शुक्र	03/10/2035	सूर्य	02/09/2042	चंद्र	15/03/2060
केतु 02/04/2020	शुक्र	03/04/2026	सूर्य	02/04/2036	चंद्र	03/04/2043	मंगल	03/04/2061

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
03/04/2061		03/04/2077		02/04/2096		04/04/2113		03/04/2120	
03/04/2077		02/04/2096		04/04/2113		03/04/2120		00/00/0000	
गुरु 22/05/2063	शनि	06/04/2080	बुध	30/08/2098	केतु	31/08/2113	शुक्र	04/08/2123
शनि 02/12/2065	बुध	15/12/2082	केतु	27/08/2099	शुक्र	31/10/2114	सूर्य	03/08/2124
बुध 09/03/2068	केतु	23/01/2084	शुक्र	28/06/2102	सूर्य	08/03/2115	चंद्र	04/04/2126
केतु 13/02/2069	शुक्र	25/03/2087	सूर्य	05/05/2103	चंद्र	07/10/2115	मंगल	20/07/2126
शुक्र 15/10/2071	सूर्य	06/03/2088	चंद्र	03/10/2104	मंगल	04/03/2116		00/00/0000
सूर्य 02/08/2072	चंद्र	05/10/2089	मंगल	30/09/2105	राहु	23/03/2117		00/00/0000
चंद्र 02/12/2073	मंगल	14/11/2090	राहु	19/04/2108	गुरु	26/02/2118		00/00/0000
मंगल 08/11/2074	राहु	20/09/2093	गुरु	26/07/2110	शनि	07/04/2119		00/00/0000
राहु 03/04/2077	गुरु	02/04/2096	शनि	04/04/2113	बुध	03/04/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 13 वर्ष 8 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली महिला हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगी। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकती हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली महिला होंगी।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाती है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाली नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करती। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करती हैं। आप कुशग्र बुद्धि की चालाक महिला हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगी।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगी। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकती हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगी वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगी।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकती हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि की प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकती हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबी, दुबली आकृति की, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध महिला हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित पुरुषों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगी।

आप ऐसा नही चाहेंगी कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपने पति एवं संतान को प्यार करती हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहती हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहती हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।